पत्र सूचना शाखा
(मीडिया सेल, गृह विभाग)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

अपर मुख्य सचिव, गृह ने किया सी0बी0सी0आई0डी0 मुख्यालय का औचक निरीक्षण

सी0बी0सी0आई0डी0 अब नही रही विवेचनाओं का डंपिंग यार्ड

विवेचनाओं के शीघ्र व गुणवत्तापरक निस्तारण से एजेंसी की बढ़ी साख

सी0बी0सी0आई0डी0 की विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता का स्तर बढ़ाकर उसे सी0बी0आई0 की भांति विकसित किये जाने के प्रयास

सी0बी0सी0आई0डी0 के सभी सेक्टरों द्वारा किये जा रहे कार्यो में प्रगति की हुई गहन समीक्षा

चार्जशीट वाले प्रकरणों में अपराधियों को अधिकतम सजा दिलाये जाने के निर्देश

अभियोजन स्वीकृति के मामले शीघ्र निस्तारित होगे

सी0बी0सी0आई0डी0 की विवेचना मे गुणवत्ता बढ़ाने हेतु विवेचना से जुड़े पुलिस अधीक्षक स्तर के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर जायेगे

लखनऊः 06 अप्रैल, 2022

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर प्रदेश की सी0बी0सी0आई0डी0 की कार्यप्रणाली को और अधिक चुस्त–दुरूस्त बनाते हुए उसे और अधिकं साधन सम्पन्न बनाया गया है। प्रदेश सी0बी0सी0आई0डी0 की विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता का स्तर बढ़ाकर उसे सी0बी0आई0 की भांति ही विकसित किये जाने के प्रयास किये गये है।

अपर मुख्य सचिव, गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी द्वारा आज गोमती नगर स्थित सी0बी0सी0आई0डी0 मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने सी0बी0सी0आई0डी0 के सभी 9 सेक्टरों द्वारा किये जा रहे कार्यो में हुई प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होने चार्जशीट वाले प्रकरणों में अपराधियों को अधिकतम सजा दिलाये जाने के लिये भी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने अभियोजन स्वीकृति के शासन में लम्बित प्रकरणों की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये।

अपर मुख्य सचिव, गृह ने यह भी निर्देशित किया है कि सी0बी0सी0आई0डी0 को सौपे गये विवेचना के मामलो में अब निरीक्षक के साथ साथ विवेचना से जुड़े पुलिस अधीक्षक स्तर के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर जाकर विवेचना की गुणवत्ता को सुनिश्चित कराये। उन्होंने न्यायालय में चल रहे मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर अभियुक्तों को अधिकतम सजा दिलाये जाने के प्रयास किये जाने के भी निर्देश दिये है। श्री अवस्थी ने सी0बी0सी0आई0डी0 की वर्तमान उपलब्धियों की भी सराहना की तथा गुणवत्तापरक विवेचना सुनिश्चित किये जाने के लिये हर संभव प्रयास करने एवं प्रभावी पर्यवेक्षण के भी निर्देश दिये है।

पुलिस महानिदेशक, सी0बी0सी0आई0डी0, श्री जी0एल0 मीणा ने बताया कि शासन की जीरो टालरेंस की नीति पर चलकर अथक प्रयास से सी0बी0सी0आई0डी0 में लम्बित पुराने मामलों को अभियान चलाकर निस्तारित किया गया है। इसके फलस्वरूप जहां सी0बी0सी0आई0डी0 के सभी सेक्टरों में जहां पहले सैकड़ों विवेचनाएं लम्बित रहा करती थी, उनकी संख्या सभी 9 सेक्टरों को मिलाकर अब घट कर मात्र 106 रह गयी है।

श्री मीणा ने यह भी बताया कि कभी–कभी घटना घटित होने के लम्बे समय के बाद विवेचना सी0बी0सी0आई0डी0 को मिलने के कारण फारेंसिंक साक्ष्य जुटाने में कठिनाई आती है किन्तु उसके बावजूद भी उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों आदि के आधार पर पूरी पारदर्शिता के साथ विवेचनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुये उनका निस्तारण किया जाता है। सी0बी0सी0आई0डी0 के इन अथक प्रयासो के कारण अब इसकी विश्वसनीयता मे भी अभूतपूर्व वृद्वि हुई है।

इस अवसर पर सी0बी0सी0आई0डी0 मुख्यालय पर तैनात अपर पुलिस महानिदेशक, श्री दावा शेरपा व श्री एल0वी0एन्टोनी देव कुमार के अलावा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

————————

सम्पर्क–: सूचनाधिकारी, प्रभात श्रीवास्तव